न्यू यॉर्क टाइम्स की बेस्टसेलिंग पुस्तक
द 21 इररिफ़्यूटेबल लॉज़ ऑफ़ लीडरशिप के लेखक

जॉन सी. मैक्सवेल

जीतने का नज़रिया

जिसे हर लीडर को जानना ही चाहिए

अनुवाद : डॉ. सुधीर दीक्षित

Hindi translation of *Attitude 101*

जीतने
का
नज़रिया

जीतने का नज़रिया

जिसे हर लीडर को जानना ही चाहिए

जॉन सी . मैक्सवेल

अनुवाद : डॉ . सुधीर दीक्षित

MANJUL

मंजुल पब्लिशिंग हाउस

First published in India by

Manjul Publishing House

Corporate and Editorial Office

● 2nd Floor, Usha Preet Complex,
42 Malviya Nagar, Bhopal 462 003 - India

Sales and Marketing Office

● 7/32, Ground Floor, Ansari Road,
Daryaganj, New Delhi 110 002 - India

Website : www.manjulindia.com

Distribution Centres

Ahmedabad, Bengaluru, Bhopal, Kolkata, Chennai,
Hyderabad, Mumbai, New Delhi, Pune

Hindi translation of *Attitude 101* by *John C. Maxwell*

This edition first published in 2014
Third impression 2016

Originally Published in the USA under title: Attitude 101
Copyright © 2003 by Maxwell Motivation Inc.
Published by permission of Thomas Nelson,
Nashville, Tennessee, USA
www.thomasnelson.com

All rights reserved.
Further reproduction or distribution is prohibited

ISBN 978-81-8322-434-5

Translation by Dr . Sudhir Dixit

All rights reserved . No part of this publication may be reproduced,
stored in or introduced into a retrieval system, or transmitted, in any
form, or by any means (electronic, mechanical, photocopying, recording
or otherwise) without the prior written permission of the publisher. Any
person who does any unauthorized act in relation to this

publication
may be liable to criminal prosecution
and civil claims for damages.

अनुक्रमणिका

प्रकाशक की प्रस्तावना

खंड एक: नज़रिये का प्रभाव

1 नज़रिया किस प्रकार नेतृत्व को प्रभावित करता है?

2 नज़रिया किसी इंसान को कैसे प्रभावित करता है?

खंड दो : नज़रिये का निर्माण

3 किसी व्यक्ति के नज़रिये को कौन सी चीज़ें आकार देती हैं?

4 क्या नज़रिया बदला जा सकता है?

5 क्या बाधाएँ सचमुच नज़रिये को बेहतर बना सकती हैं?

खंड तीन: सही नज़रिये के साथ भविष्य

6 असफलता क्या है?

7 सफलता क्या है?

8 लीडर किस तरह चढ़ता रह सकता है?

लेखक के बारे में

प्रकाशक की प्रस्तावना

किसी व्यक्ति का नज़रिया कैसा है , इस बारे में परवाह क्यों करें? जब तक कि कोई अपना काम अच्छी तरह कर सकता है , तब तक आपको इसके बारे में बहुत ज़्यादा चिंता नहीं करनी चाहिए , है ना? यदि जॉन मैक्सवेल को इस बात पर यक़ीन होता , तो *जीतने का नज़रिया* नामक यह पुस्तक इस वक़्त आपके हाथों में नहीं होती ।

अमेरिका के अग्रणी नेतृत्व विशेषज्ञ डॉ . मैक्सवेल ने लोगों को अधिक सफल बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है । उनकी पुस्तकें और सेमिनार्स में सिखाया जाता है कि कोई भी सचमुच सफल हो सकता है , बशर्ते वह चार क्षेत्रों में महारत हासिल कर ले : संबंध सामर्थ्य , नज़रिया और नेतृत्व । यह पुस्तक इस तरह तैयार की गई है , ताकि आप नज़रिये के बारे में अनिवार्य जीतने का नज़रिया बातें जान लें – तुरंत , आसानी से पढ़ने वाले रूप में ।

लोगों का जीवन बहुत व्यस्त है । उनका समय मूल्यवान है , लेकिन इसके बावजूद वे अत्यधिक जानकारी के बोझ से दबे जा रहे हैं । जितनी जानकारी पिछले पाँच हज़ार सालों में उत्पन्न हुई थी , उससे अधिक नई जानकारी पिछले तीस वर्षों में उत्पन्न हो चुकी है । *न्यूयॉर्क टाइम्स* के वीकडे एडिशन में इतनी जानकारी रहती है , जितनी कि सत्रहवीं सदी के इंग्लैंड में रहने वाले आम आदमी को जीवन भर में भी नहीं मिलती । संसार में उपलब्ध जानकारी की मात्रा पिछले पाँच साल में दोगुनी हो गई है और यह आगे भी दोगुनी होती रहेगी ।

यह पुस्तक नज़रिये पर संक्षिप्त पाठ्यक्रम है (*यह लीडरशिप के प्रभावशाली सूत्र , रिलेशनशिप 101* और *इक्विपिंग 101* की साथी पुस्तक है ।) डॉ . मैक्सवेल इस बात को जानते हैं कि इंसान के रूप में आपके नज़रिये का आपके जीवन पर गहरा असर होता है । यदि आप लीडर हैं , तो आप उन लोगों

के नज़रियों को नज़र नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते , जिनका आप नेतृत्व करते हैं और जिनसे आप सफलता हासिल करने की उम्मीद करते हैं – चाहे आप किसी कंपनी का नेतृत्व कर रहे हों या फिर परिवार , खेल टीम या स्वयंसेवियों के समूह का । किसी इंसान का नज़रिया उसके संबंधों पर असर डालता है , उसके असफलता संबंधी दृष्टिकोण में रंग भरता है और सफलता के प्रति उसकी नीति को परिभाषित करता है । नज़रिया आपको बना सकता है और मिटा भी सकता है ।

हम *जीतने का नज़रिया* पुस्तक प्रकाशित करके प्रसन्न हैं , क्योंकि हमें अहसास है कि जीवन में बहुत कम चीजें सकारात्मक नज़रिये जितनी मूल्यवान हैं । *जीतने का नज़रिया* आपको और आपकी टीम को सफलता दिलाने , मज़बूत बनाने के लिए तैयार की गई है , ताकि आप सही क़िस्म के नज़रिये से लैस हो जाएँ । तो यह पुस्तक आपकी सफलता – और आपके अगले स्तर तक पहुँचने के नाम!

खंड 1

नज़रिये का प्रभाव

1

नज़रिया किस प्रकार नेतृत्व को प्रभावित करता है?

नज़रिया हमेशा आपकी टीम का "खिलाड़ी" होता है ।

बड़े होते समय मैं बास्केटबॉल का दीवाना था । यह दीवानगी चौथे ग्रेड में ही शुरु हो गई थी , जब मैंने पहली बार हाई स्कूल का बास्केटबॉल मैच देखा । मैं मंत्रमुग्ध हो गया । उसके बाद कॉलेज जाने तक मैं लगभग हर दिन घर में बने छोटे होम कोर्ट पर शूटिंग और पिकअप गेम्स का अभ्यास करता था ।

हाई स्कूल पहुँचने तक मैं काफी अच्छा खिलाड़ी बन चुका था । मैंने अपने फ़र्स्ट ईयर में जूनियर वर्सिटी टीम में शुरुआत की और जब मैं सेकंड ईयर में पहुँचा , तो हमारी जूनियर वर्सिटी यानी जेवी टीम का रिकॉर्ड 15 – 3 का था , जो वर्सिटी के रिकॉर्ड से बेहतर था । हमें अपने प्रदर्शन पर गर्व था – शायद ज़रूरत से कुछ ज़्यादा ।

अगले साल ओहायो की हाई स्कूल बास्केटबॉल में रुचि रखने वाले आलोचक सोच रहे थे कि हमारी टीम डिवीज़न की स्टेट चैंपियनशिप जीत सकती है । मेरा अनुमान है उन्होंने उन खिलाड़ियों को देखा था , जो पिछले साल की वर्सिटी टीम से सीनियर्स के रूप में लौटेंगे और उन्होंने उस प्रतिभा को भी देखा , जो जेवी से ऊपर बढ़ेगी । कुल मिलाकर उनका अनुमान था कि हम शक्तिपुंज साबित होंगे । और हमारे पास प्रतिभा कूट – कूट कर भरी थी । 1960 के दशक के अंत में कितनी हाई स्कूल टीमें कह सकती थीं कि टीम के इक्का –